

जॉब मार्केट में आपकी उम्मीदवारी को मजबूत करती है मैनेजमेंट डिग्री

इंजीनियरिंग और साइंस स्टूडेंट्स के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन में एमबीए को चुनना अब एक आम चलन है। पिछले कुछ सालों में इंजीनियरिंग और मेडिकल बैकग्राउंड के स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में कैट और मैनेजमेंट की दूसरी प्रवेश परीक्षाओं में बैठे। इतना ही नहीं 2017 में कैट के नतीजों में देखा गया कि 100 परसेंटाइल हासिल करने वाले 20 स्टूडेंट्स मैनेजमेंट बैकग्राउंड से नहीं बल्कि इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से थे। साफ है कि इंजीनियरिंग और मेडिकल ग्रेजुएट्स के बीच देश के प्रतिष्ठित बी स्कूल्स में सीट हासिल करने की होड़ मची हुई है। जानिए मैनेजमेंट की पढ़ाई चुनने के पीछे इन स्टूडेंट्स का मकसद क्या रहा है।

रिक्रूटर्स की पहली पसंद

एमबीए डिग्री लेने वाले इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स रिक्रूटर्स की पहली पसंद होते हैं क्योंकि वे तकनीकी स्किल्स के साथ मैनेजिरियल स्किल्स का भी इस्तेमाल करते हैं। एमबीए डिग्री उन्हें इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, फिनटेक फर्म्स, कंसल्टिंग, डेटा एनालिसिस व बिजनेस इंटेलिजेंस से जुड़े काम के काबिल बनाती है। यही नहीं इंटरपर्सनल और मैनेजमेंट स्किल्स में दक्षता के चलते ये फ्रेशर्स और ट्रेनी को मेंटर और मोटिवेट भी कर सकते हैं।

नया क्षेत्र एक्सप्लोर करने का मौका

इंजीनियरिंग व मेडिकल स्टूडेंट्स के बीच अक्सर यह असमंजस रहता है कि ग्रेजुएशन के बाद उन्हें क्या पढ़ना चाहिए। जहां एमएस या एमटेक डिग्री स्टूडेंट्स को अपनी विशेषज्ञता को मजबूत बनाने में मदद करती है, वहीं एमबीए उन्हें अतिरिक्त नॉलेज देने के साथ मेडिकल व टेक्नोलॉजी से अलग क्षेत्र को एक्सप्लोर करने का मौका देता है। जहां मेडिकल स्टूडेंट्स एमबीए के बाद हैल्थकेयर मैनेजमेंट और एडमिनिस्ट्रेशन में अच्छे जॉब रोल्स हासिल कर सकते हैं वहीं प्रॉडक्ट डेवलपमेंट और एडमिनिस्ट्रेशन के क्षेत्र में भी संभावनाएं तलाश सकते हैं। एमबीए करने के बाद डॉक्टर या इंजीनियर को अपने असल क्षेत्र से दूर होने की जरूरत नहीं है। बल्कि एमबीए के जरिए मैनेजिरियल स्किल्स सीखकर वे अपनी ही फील्ड के जॉब मार्केट में अपनी उम्मीदवारी को मजबूत बना सकते हैं।

ऑफर होते हैं मोटे पैकेज

एमबीए के साथ इंजीनियर या मेडिकल प्रोफेशनल दूसरे कोर्सेज की तुलना में बेहतर पैकेज हासिल कर पाते हैं। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में खास रिक्ल सेट वाले स्टूडेंट्स की मांग रहती है। जॉब मार्केट में ऐसे स्टूडेंट्स को महत्व दिया जाता है जिनके पास बेहतर टेक्निकल, कम्यूनिकेशन और मैनेजिरियल स्किल्स का कॉम्बिनेशन होता है। यही वजह है कि इन्हें हायर करने के लिए कंपनियां भी अच्छे पैकेज ऑफर करती हैं।

बिजनेस के लिए नए रास्ते

इंप्लेटर के कोफाउंडर अक्षत सक्सेना और बेकॉन के कोफाउंडर और डायरेक्टर मयंक प्रेमी ऐसे नाम हैं जो अपनी जनरेशन के लिए आंत्रप्रेन्योरशिप को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। असल में पीजी के बाद मैनेजमेंट कोर्स स्टूडेंट्स को बिजनेस ऑपरेशन्स की बारीकियों को समझने की क्षमता देता है जिसके चलते एमएनसी अच्छे टैलेंट को बरकरार रखने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है।

डिमांड में हैं एमबीए ग्रेजुएट्स?

माइक्रोसॉफ्ट के ग्लोबल टैलेंट एक्विजिशन के हेड चक एडवर्ड ने एक रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया के 40 देशों के तकरीबन 150 बी-स्कूल्स की हायरिंग को देखें तो पिछले दो से तीन वर्षों में दुनियाभर में एमबीए उम्मीदवारों की मांग बढ़ी है। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर क्या वजह है कि कंपनियां एमबीए ग्रेजुएट्स को ज्यादा पसंद कर रही हैं और इस क्षेत्र में रिक्रूटमेंट के लिए अच्छे पैकेज ऑफर कर रही हैं।



मैनेजिरियल स्किल्स को धार देता है एमबीए प्रोग्राम

- मैनेजमेंट स्किल्स डेवलप करने में मदद मिलती है।
- बाजार, ट्रेंड और ऑपरेशन्स को समझने का मौका व विशेषज्ञता देता है।
- यह सिखाता है कि मुश्किल फैसले कब लेने हैं।
- इस पढ़ाई से स्टूडेंट्स लगातार खुद को चैलेंज करना सीखते हैं।
- मैनेजमेंट के टॉप पद और आकर्षक पैकेज हासिल करने के लिए तैयार करता है।
- आंत्रप्रेन्योरशिप स्किल्स का विकास करता है।